Worksheet-10 Subject: - Hindi Class: - V Teacher: - Mrs. Meera

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: 19.05.2020

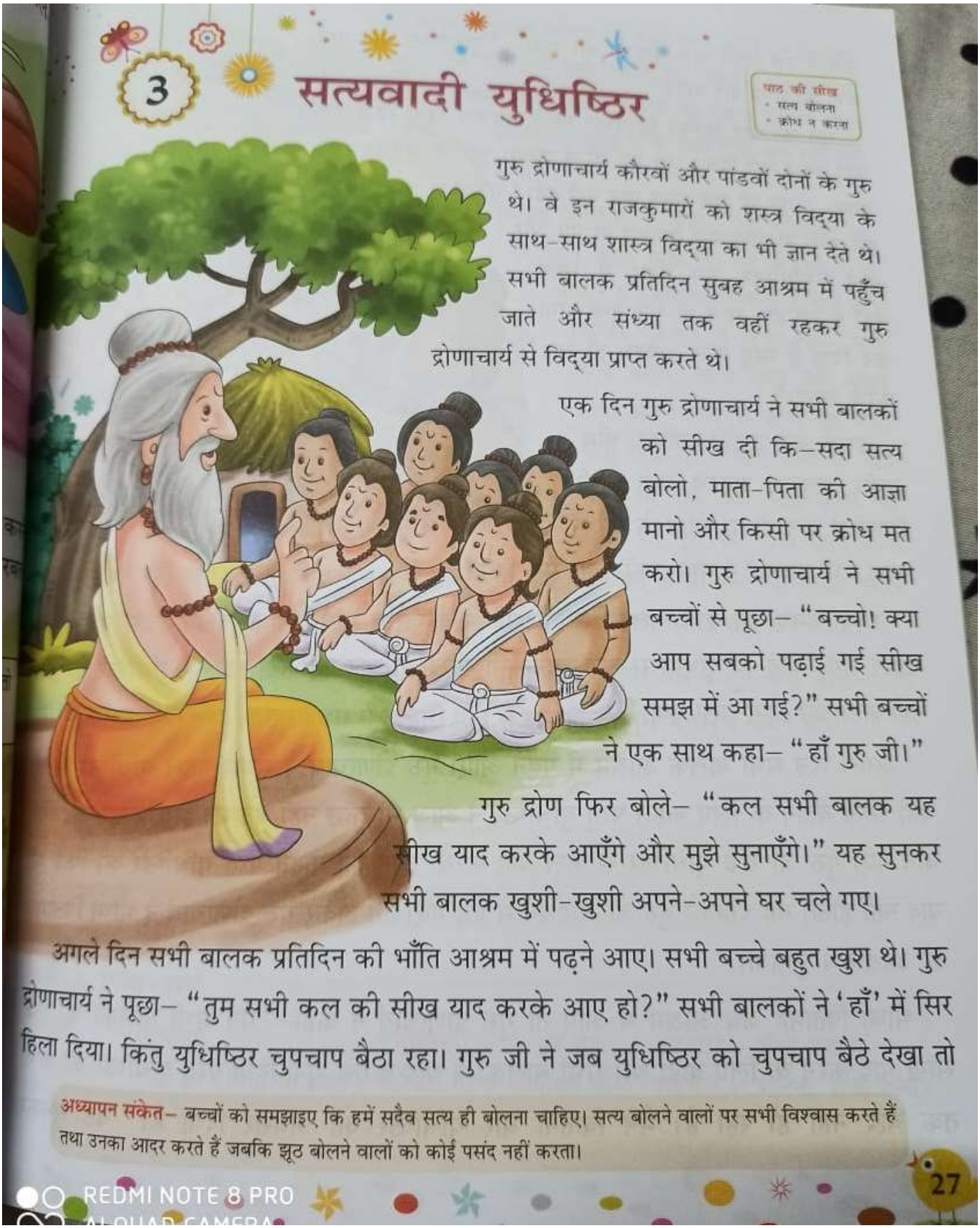

3

सत्यवादी युधिष्ठिर

पाठ की सीख
- सत्य बोलना
- क्रोध न करना

गुरु द्रोणाचार्य कौरवों और पांडवों दोनों के गुरु थे। वे इन राजकुमारों को शस्त्र विद्या के साथ-साथ शास्त्र विद्या का भी ज्ञान देते थे। सभी बालक प्रतिदिन सुबह आश्रम में पहुँच जाते और संध्या तक वहीं रहकर गुरु द्रोणाचार्य से विद्या प्राप्त करते थे।

एक दिन गुरु द्रोणाचार्य ने सभी बालकों को सीख दी कि–सदा सत्य बोलो, माता-पिता की आज्ञा मानो और किसी पर क्रोध मत करो। गुरु द्रोणाचार्य ने सभी बच्चों से पूछा– "बच्चो! क्या आप सबको पढ़ाई गई सीख समझ में आ गई?" सभी बच्चों ने एक साथ कहा– "हाँ गुरु जी।"

गुरु द्रोण फिर बोले– "कल सभी बालक यह सीख याद करके आएँगे और मुझे सुनाएँगे।" यह सुनकर सभी बालक खुशी-खुशी अपने-अपने घर चले गए।

अगले दिन सभी बालक प्रतिदिन की भाँति आश्रम में पढ़ने आए। सभी बच्चे बहुत खुश थे। गुरु द्रोणाचार्य ने पूछा– "तुम सभी कल की सीख याद करके आए हो?" सभी बालकों ने 'हाँ' में सिर हिला दिया। किंतु युधिष्ठिर चुपचाप बैठा रहा। गुरु जी ने जब युधिष्ठिर को चुपचाप बैठे देखा तो

अध्यापन संकेत– बच्चों को समझाइए कि हमें सदैव सत्य ही बोलना चाहिए। सत्य बोलने वालों पर सभी विश्वास करते हैं तथा उनका आदर करते हैं जबकि झूठ बोलने वालों को कोई पसंद नहीं करता।

27

REDMI NOTE 8 PRO

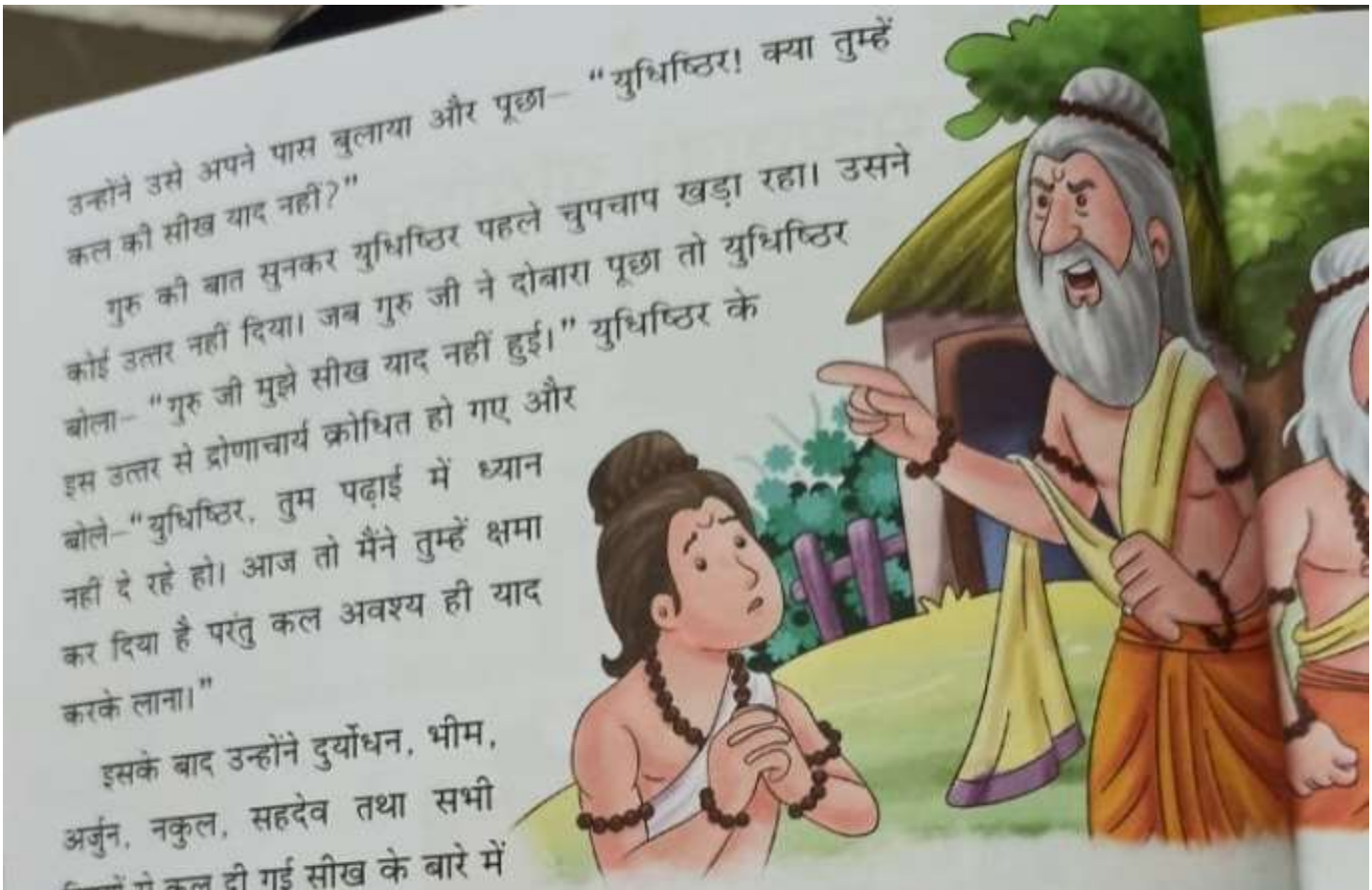

उन्होंने उसे अपने पास बुलाया और पूछा– "युधिष्ठिर! क्या तुम्हें कल की सीख याद नहीं?"

गुरु की बात सुनकर युधिष्ठिर पहले चुपचाप खड़ा रहा। उसने कोई उत्तर नहीं दिया। जब गुरु जी ने दोबारा पूछा तो युधिष्ठिर बोला– "गुरु जी मुझे सीख याद नहीं हुई।" युधिष्ठिर के इस उत्तर से द्रोणाचार्य क्रोधित हो गए और बोले–"युधिष्ठिर, तुम पढ़ाई में ध्यान नहीं दे रहे हो। आज तो मैंने तुम्हें क्षमा कर दिया है परंतु कल अवश्य ही याद करके लाना।"

इसके बाद उन्होंने दुर्योधन, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव तथा सभी शिष्यों से कल दी गई सीख के बारे में पूछा। सभी बालकों ने सही-सही उत्तर सुना दिया।

संध्या समय जब सभी बालक घर लौट रहे थे तो कौरव युधिष्ठिर को देखकर उसका उपहास उड़ाने लगे। बोले– "युधिष्ठिर! तुम्हें इतनी-सी सीख भी याद नहीं रख पाए?" युधिष्ठिर ने कुछ नहीं कहा और आगे चला गया।

अगले दिन सभी बालक आश्रम में पढ़ने आए। गुरु द्रोणाचार्य ने सबसे पहले युधिष्ठिर से वही सीख बताने के लिए कहा। परंतु युधिष्ठिर ने आज भी कुछ नहीं बताया। इसी प्रकार कई दिन बीत गए। गुरु जी रोज़ युधिष्ठिर से कल याद करके आने को कहते परंतु युधिष्ठिर को फिर से याद नहीं होता। यह देखकर गुरु जी आश्चर्य में पड़ गए। तंग होकर गुरु द्रोणाचार्य ने भीष्म पितामह को आश्रम में बुलाया।

भीष्म पितामह जब आश्रम में आए तो गुरु द्रोणाचार्य ने कहा–"मैंने सभी बालकों को सीख याद करने के लिए कहा था। सभी बालकों ने याद करके सुना दिया परंतु युधिष्ठिर को अब तक याद नहीं हो रहा है। मैंने कितनी बार युधिष्ठिर को अवसर दिया है।"

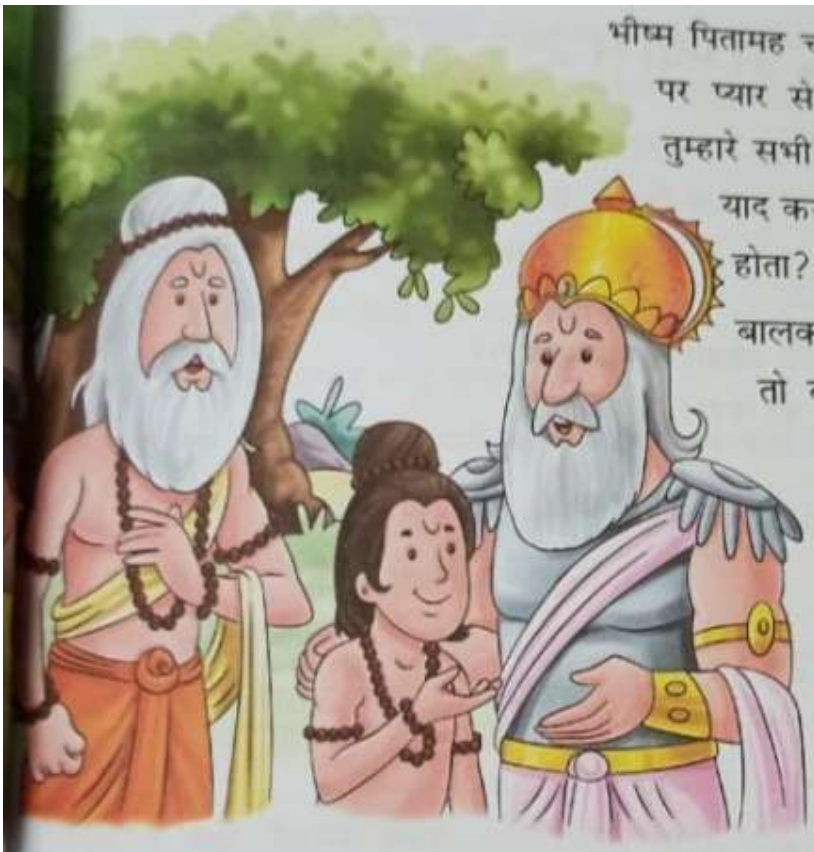

भीष्म पितामह चकित रह गए। फिर युधिष्ठिर के सिर पर प्यार से हाथ फेरते हुए बोले– "युधिष्ठिर, तुम्हारे सभी भाइयों ने गुरु जी द्वारा दी गई सीख याद करके सुना दी है, फिर तुम्हें क्यों याद नहीं होता?"

बालक युधिष्ठिर ने कहा– "हे पितामह! यह तो बहुत बड़ी सीख है। मेरे भाइयों ने तो केवल इसे बोलकर सुनाया है याद नहीं किया। गुरुदेव ने कहा था– सदा सत्य बोलो, माता-पिता की आज्ञा मानो और किसी पर क्रोध मत करो। परंतु पितामह मैं सदा सत्य भी नहीं बोल पा रहा और मुझे क्रोध भी आता है। गुरु की तथा माता-पिता की आज्ञा भी नहीं मान रहा हूँ। केवल मुख से बोलने या याद करने को तो सीखना नहीं कहते, सीख को तो जीवन में उतारना पड़ता है। फिर भला मैं कैसे कह दूँ कि मैंने वह सीख याद कर ली है।"

युधिष्ठिर की बात सुनकर पितामह भीष्म और गुरु द्रोणाचार्य अत्यंत प्रसन्न हुए और बोले– "हे वत्स! तुम बिलकुल ठीक कह रहे हो। मैं तुम्हारी बात से सहमत हूँ। तुम सचमुच महान हो।"

श्रुतलेख (Writing Skills)

द्रोणाचार्य	कौरव	पांडव	विद्या	आश्रम
पश्चात्	युधिष्ठिर	क्रोधित	चकित	सहमत

शब्द-अर्थ

शस्त्र – हथियार
प्रतिदिन – हर रोज़
उपहास – हँसी उड़ाना
पितामह – दादा जी (पिता के पिता)
चकित होना – हैरान होना
सहमत – मानना, राज़ी होना

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

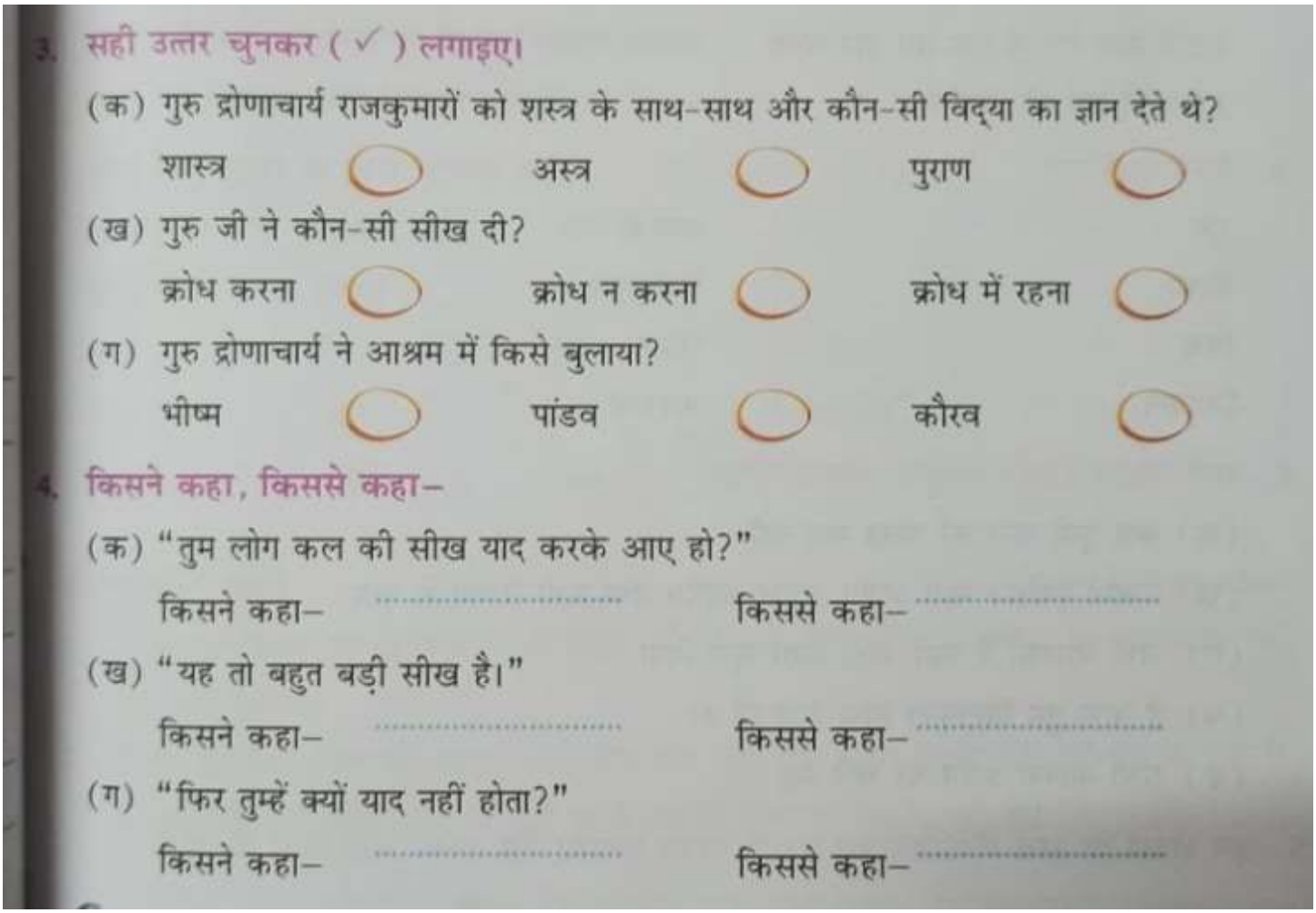

3. सही उत्तर चुनकर (✓) लगाइए।

(क) गुरु द्रोणाचार्य राजकुमारों को शस्त्र के साथ-साथ और कौन-सी विद्या का ज्ञान देते थे?

शास्त्र ◯ अस्त्र ◯ पुराण ◯

(ख) गुरु जी ने कौन-सी सीख दी?

क्रोध करना ◯ क्रोध न करना ◯ क्रोध में रहना ◯

(ग) गुरु द्रोणाचार्य ने आश्रम में किसे बुलाया?

भीष्म ◯ पांडव ◯ कौरव ◯

4. किसने कहा, किससे कहा–

(क) "तुम लोग कल की सीख याद करके आए हो?"

किसने कहा– ..... किससे कहा– .....

(ख) "यह तो बहुत बड़ी सीख है।"

किसने कहा– ..... किससे कहा– .....

(ग) "फिर तुम्हें क्यों याद नहीं होता?"

किसने कहा– ..... किससे कहा– .....

उत्तर

प्रश्न 3:

1. शास्त्र
2. क्रोध न करना
3. भीष्म

प्रश्न 4: किसने किससे कहा-

क) गुरु द्रोणाचार्य ने बालकों से

ख) युधिष्ठिर ने भीष्म पितामह से

ग) भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर से